

वसि

उत्तरं

मिना दृडा

ॐ



ॐ



श्रीकृष्ण



॥

॥ श्रीगुरुभक्त ॥

॥ ध्यातिपिन्यधपनयायहृत्ता ॥

विधिताननवक ॥ आदिजाकि

कू १ x पूजाजाथूय ॥ गायन ॥ पाः

ताम ॥ धू ॥ गुह ॥ सिद्ध ॥ पू १ ३

दिउ ॥ श १ पूजाहन कावहन

सद ॥ श १ पूजाहन ॥ श २ कावहन

नमनपूजाहनयात ॥ पा २ सम

धनि ॥ ग्वन ६० रमाजा गाय पि

जासद ॥ वनियानह ग्वदातय

॥ श १ रमरुजा गाय ॥ ग्व १ मिनादृडा

ASHA ARCHIVES

2649

I

पू॥ वी० ऊं कायू ३२ यज्ञ ऊं का॥
पू॥ ४ यज्ञ ऊं का॥ धृतिमान्नाय
क॥ ॥ धनको नायाय धृ
नका० ॥ हृदिदां अया॥ ॥
धनधायनायाय धनका० ॥ स
याय॥ गुनपादायकाया॥ गुन
राशयि रित्ति धनमलुससुन
मंदनलुना० ॥ श्रीगुनभा
नसवाना॥ ऊं मानयज्ञान
धियक॥ न० अज्ञाकाकाया॥ गु
नमलुसद० ॥ लोकपानवनि
विया॥ स्व० धायि० स्व० यथाय
जायाना० ॥ नूनतयककाया॥
स्वस्तिवाक्कायादि० ॥ मलुसवि
भजनयाया॥ धनकावरनय
जा॥ जापधूपआकर्षनयादंखा

नवाय॥ ३३ ॥ न० अज्ञाया॥ वाक्० x
॥ धनयंवाक्कायक० विषः
नधिय॥ ॥ धपाश० न० क
यायानरुनसा० धनमलुससुन
रूपमंदनदनुक० वाक्कायका
नयाया॥ कमाकं० धुनमलुस
दनक० ॥ उ० यथायव० नखानजा
कि० जानका० अया० ॥ धन० स्वा
नकाययानरुजागतय० दिनि
य० ॥ वाक्कायकासम्यगतया० ॥
गुनराश० नायक० रित्तिनयका
नम० विविधं० २ तयक० धायस
रुउका० ॥ लोकपानवनिवि
यक॥ विभने० अयावक॥ ॥
धनसमाधियनधनका० ॥ भा
रुनिरुया॥ अथवा॥ कनाय

विय॥ विषयधिया॥ ॥
मधुनविशुद्धनयादं दंडायान
नयाउं शुभराहयहिरिंसकः
स्यानवियक॥ धननायकहये
कं आशीवादस्वानरुयक॥ धन
नवागताहंयनयकनावाय॥
धनवातयक॥ इन्वा ६ वा १
धकिं॥ मं ४ शुभराह॥ मं १०
नायकह॥ मं १५ उपायनाका
धूमिस्थागभसुत्रयमानहना॥
॥ पात्र॥ म्वात॥ उ॥ क॥ क
नं॥ खमा॥ खारवा॥ मायकधूमि
कंता॥ कू ४ पंना॥ कूपंना॥ क
यमूमा॥ कू ३ गंगि॥ इना॥ हाम
ना॥ कू २ गरवाननाकाय॥ दि
गुनाक॥ वीविया॥ अधरागका
यक॥ कोननिस्था॥ नोकपातः

हानूपंपूजायानाउं धूं मगवा
नयाउं विमज्जनयानं क्लया॥ ख
नानउं ज्ञायक॥ गनमधुनस
वानाउं दमनूथदं वनाकाय
क॥ श्री ३ भक्तमनि॥ श्री १० नाक
विजया॥ श्री ६ वज्रा॥ श्री दिपंक
ना॥ गुलारु॥ धपाशु॥ दहज्जनवना॥
कास्यविष्काहूधायक॥ ॥
काकजुथासाहना॥ ॥
नयकमतयक॥ धनगानउं ज्ञा
क॥ गीतकायिदावादिया॥ गी
तगजाजिन॥ जयंजयंदावदि॥
धननीनकायकनक्काया॥ धन
मूनयजा॥ निम्लस्यपुत्रिंदन्यः
क्कायाउं शुभुधन॥ पूजाहयि
क॥ सिद्धमदहूदडीयाखन
सुनयक॥ धानमधुन॥ यानास

सिद्धः स्वानुष्ठायकः वाक्कुरुता
शुभायः वाक्कुरुता सम्यगधूनः
काउः वियुजाया कः ॥ ॥
धननिनिम्रयपूनिः गुनूलाः
शुभायः शुभायः शुभायः शुभायः
नदनकः ॥ विष्णुजनयावकः
धनसिद्धमादनिशूगममया
उः निम्रयपूनिः शुभायः शुभायः
सिद्धमादनिनिनाउपदांता
याउः गुनूलायः कमाकल
दिया ॥ ॥ धनखाजयकः
पाउद्विकः ॥ ॥ गुनूलाः
शुभायः शुभायः शुभायः शुभायः
ननखाजयकाउः दकनयाउः
गुलानुनलधनयाय ॥ ॥
मंज ॥ उं आ ४ हं ॥ हं आ ४ उं ॥
गीत हं ३ द ॥ द व या न क या

उ ॥ कमाकलं गुनूलायः
निं विया ॥ द उ या न म निर्य
निज्ञाया ॥ ॥ धनककना
पाउद्विकः ॥ शुभायः शुभायः
गीतविकि कुरुता ॥ सिद्धायः
उथं शुभायः ॥ ॥ धनयावः
नया ॥ नाः नापंता ४ द्यासा नयः
नाउनापिसद ॥ ॥ ववाहना ॥
गीतवनिवा ॥ गीतवद्विकः
गीतवद्विकः ॥ ॥
धनखायः ना ॥ पाता ॥ वमिना ॥
धनकानि नूयधु ३ कानि क
यकनूनि निधूपधूय ॥
धनविंतामनिनयक ॥ ॥
धनवनिममनविया ॥ पाता
वनि ॥ पाता ॥ ववाहना ॥ पाता
धनशुभायः वनि ॥ गीतवद्विकः ॥

दिआस्वाक॥ ॥ नमिसुद
सखाकायक॥ सुताकूनपन
याअविशुजनयानंछया॥
ग्वजानिआदननकाअ, बा
गंनिनावनिच्छया॥ ॥
वनिच्छयायात्रधितयक ॥
धनगनमछुनसुखनाअका
यक॥ यककायविच्छाहू, म
यकदवनामरिधायक॥ ॥
धनअरुणकायक॥ ॥
गुरुहयान्त्रवायाअकनंथा
पनाया॥ दिकागुपाउनिग्वन
यानक॥ कनंवा, त्रिषि, मयस
धितय॥ यजाआकर्वन, पाया
दियजात्रायाउव॥ दियुपा
उगथवतयास्वनाअरूरु
याया॥ प्वाग२मतविया॥ ग

तधूमांगानि॥ ववादागका
हतिमडिअं, थपाहयातुजा
कियाअ॥ विशुजनयाद ॥
नागंनिनाअकनंछया॥
॥ धनवातातादायतयानि
वयक॥ नासिनागयक॥
धनयात्रवाकमगनमछुन
गतयाअगुनमछुनदनक॥
वनिविया॥ ॥ गनवकुम
थयनय॥ मतनकन॥ गीत
द्विवि॥ ॥ सर्वनाथपन
य॥ मछुनविशुजनयावक॥
मतदिक॥ ॥ धनसनापि
छायक॥ नेनाछुयक॥ गुन
पमरवतोदिककमाकछु
न॥ ॥ ॥ धनयाकायिभग
नमछुनगगुनमछुनदन

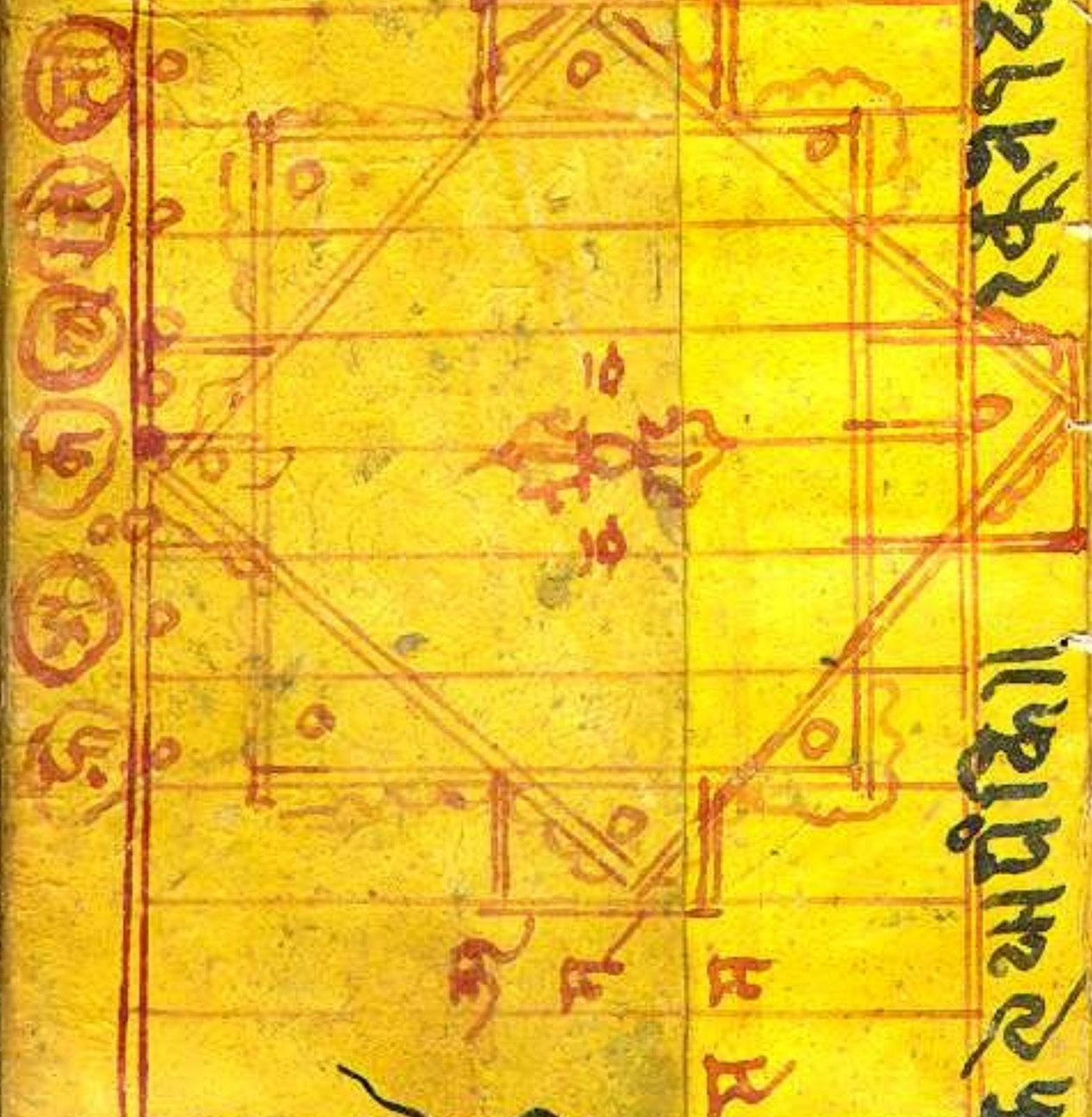
क॥ निर्मंगलायाचक॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
द्वयद्विपंकन॥ शुभवाशुध
पाशुदद्वनधनिनद्विस्त्रि
नंविष्ठायासाधायक॥ ॥
धनपात्राहाय॥ ॥ मधु
नविभजनयाचकमन्त्राना॥
॥ धनमूखसुधिकाया॥ वाक्क
याय॥ मन्त्राहाक॥ स्वाः
नकाकायक॥ कमाकंथवि
यक॥ निष्कस्यनं॥ वनाकाया
अ॥ नृनिहाअनरुहा॥ ॥
धूनिनयनयवद्विपूजा
या॥ कर्म॥ विधि॥ रुहा॥ ॥

रनपात्रद्विपूजायावातया
वा॥ ६॥ इना॥ वा॥ १॥ धकि॥ वा॥ १॥ का
वपात्रद्विपूजा॥ म॥ ४॥ शुभवाशु॥
म॥ १०॥ नायक॥ रुपि॥ त॥ म॥ १॥
द्विपूजायावात॥ पात्र॥ पात्र॥
खययि॥ पिपा॥ मन्त्रा॥ उ॥ क॥
रुनि॥ अ॥ क॥ म॥ क॥ न॥ धिमा॥
यमास॥ ६॥ म॥ रवा॥ वा॥ १॥
पं॥ वा॥ रुहा॥ वा॥ अ॥ म॥ १॥ रं॥ मी॥
मा॥ १॥ रं॥ वा॥ क॥ म॥ क॥ रुहा॥
वृ॥ यि॥ म॥ क॥ पं॥ वा॥ वृ॥ पं॥ वा॥ रुहा॥
म॥ वा॥ क॥ य॥ रुहा॥ इ॥ वा॥ ध॥ न॥
रवा॥ व॥ अ॥ न॥ स॥ त॥ य॥ वा॥ म॥ रुहा॥
इ॥ वा॥ रुहा॥ वा॥ क॥ म॥ धि॥ वा॥ क॥ रुहा॥
रवा॥ व॥ द॥ रुहा॥ क॥ रुहा॥ व॥ न॥ का॥
या॥ क॥ रुहा॥ ध॥ रुहा॥ रुहा॥

काति। विंतामनि५

१२०॥ कम॥ वाक् म॥ इन्द्राया
खायूना॥ पात्रा॥ नेत्रा॥ नूय॥
थूति॥ म॥ न॥ य॥ मा॥ न॥ रु॥ ना॥

॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥



१२१॥ २०॥ म॥ हि॥ ॥

रवाक॥ २०॥ म॥ हि॥ ॥

१२२॥ २०॥ म॥ हि॥ ॥
क॥ जा॥ म॥ य॥ जा॥ का॥ थू॥ या॥ २४
म॥ जा॥ ना॥ या॥ मा॥ दा॥ व॥ नि॥ थ॥ न॥ वा॥ कि॥
ह॥ जा॥ ना॥ या॥ रु॥ य॥ जा॥ रु॥ पा॥ ४८
गं॥ ध॥ नि॥ ॥ रु॥ जा॥ न॥ न॥ मा॥ न॥ का॥ द॥
य॥ क॥ नि॥ थ॥ न॥ र॥ वा॥ सा॥ इ॥ र॥ प॥ वा॥
म॥ दा॥ ॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ ॥ ॥
म॥ म॥ वा॥ धा॥ ना॥ या॥ वा॥ ॥ ध॥ सि॥
मि॥ ना॥ थू॥ ति॥ ना॥ न॥ वा॥ व॥ का॥ आ॥ म॥
या॥ द॥ गु॥ नू॥ या॥ दा॥ द॥ का॥ य॥ वि॥
या॥ पू॥ जा॥ रु॥ धि॥ य॥ क॥ ॥
पू॥ जा॥ रु॥ न॥ अ॥ ला॥ का॥ अ॥ का॥ य॥
थ॥ न॥ गु॥ नू॥ म॥ गु॥ न॥ द॥ न॥ ॥ म॥ क॥ या॥
न॥ व॥ नि॥ वि॥ य॥ ॥ वि॥ श॥ ज॥ न॥ या॥ य॥
थ॥ न॥ का॥ व॥ रु॥ न॥ पू॥ जा॥ ॥ सि॥ क॥ न॥
न॥ क॥ ॥ थ॥ न॥ ज॥ ज॥ मा॥ न॥ थ॥ पा॥ रु॥
गु॥ नू॥ म॥ गु॥ न॥ द॥ न॥ क॥ न॥ रु॥ रु॥ का॥ य॥ ॥

धनसमाधिदत्त॥समाधिदत्त
 नधनकाउ॥कनभा॥भगा॥
 एगगनाभा॥कृष्ण॥सिद्धम
 ५ मतयागजायधूपनिनां
 नो॥स॥ध॥म॥यधर्माद्यादि॥
 धनजुग्मिग्नपं॥पथमाहूति॥
 ५ हानाहूतिधनकाउ॥दत्त
 पूजा॥नायहयनिदि॥मस्यनं
 कावयानदत्तयाकइहाउ
 नापूजायायदिगिदत्तयाक॥
 धनदत्तगाहूतिविया॥
 धनदिगवृत्ति॥महावीरि
 विया॥पूजकपक॥दत्तया
 गधियकाउ॥सकस्यानजु
 नियावक॥भविधिइयाजु
 हूतिविया॥पूजयाययना
 विधकाया॥दिगुवृत्तिविया॥

५ दत्तयागजायधूपनिनां

धनधपाहूगुनमलुनदन
 क॥खानकिरने॥गुनपू
 जा॥कृष्ण॥दत्तकाकिरपा
 कूर्यंशुभा॥कृष्णयनकन
 गकाकाया॥भगंधनिकाका
 य॥कृष्णमानयिनकाशिवा
 दतया॥कनभात्रिखका॥स
 खाहूतिविया॥मलुनयागा
 कनभा॥कृष्णसिद्धमृदुथ
 पाहूताननउहाया॥ ॥
 तत्रउ॥नायहयिगुविह्व
 वियक॥इइकिविपनधिया॥
 धनपात्रा॥पा॥४महि॥ख
 तखा॥कावयानदत्तवा॥
 धर्किदत्तवा॥गुनगाहवा॥
 नायकवा॥१०दवपात्रावा॥
 धनवा॥४धूनिपात्रनहना॥

वा १ का वया न द अ ॥ वा १ ध किं ॥
 मं १ गु नू हा ह ॥ मं १० ना य कः
 ह ॥ मं १ द अ पा ना क ॥ मं ४ घ
 न वा ॥ थू ति हा ऊ न भ स ना ॥ गुः
 हा ह ॥ थ पा ह ॥ न्व क्का व डि न
 खा सा य मा ना ॥ क न न क्का याम्
 ख मू धि का या ॥ थू ति व गु ऊ र्द्वि या ॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 दू भू क्का म् सि



थ
 र वा

कि थ
 ० ०

पा ल
 ० ० ०

म ०

व
 मं
 म्

ॐ वे न क्का ६ दू व सा धं या वि धि ॥
 क्का पू जा जा थू य ॥ म्ब ३ १ म्ब जाः
 ता या ॥ व त्रि थ ना ॥ ता य ना ॥ पा ना स ॥
 धूं गु गु सि द्का सा इ इ पं वा म्ब १
 पं व म्ब ३ ॥ नी न म्ब ३ ॥ न क्का म्ब ३ ॥
 सि द्का न द ॥ हा हा सां क वा ॥ कि
 म नि ॥ ह २० वे म धि ॥ पा ४ म मं
 ध नि ॥ मं ग ना म ॥ म्ब २ थ पिं ॥
 म्ब १ खा य म्ब पा ॥ क लु न ॥ क
 र्प ना ॥ व रु म म ॥ न क्का वं द न न
 सि द्का ल म पा या ॥ सि द्का न न थ
 या ॥ वा म्ब पं कि जा कि ॥ दं ४
 द क ना ॥ म्ब वा ॥ म्ब ना ॥ थू ति
 थ प ना धू न का ३ ॥ थ पा ह न
 गु र्पा द या क ॥ गु नू पा या द ॥
 थ ना ॥ थ पा ह ॥ पा ना डि म्ब न

पूजा रूपाय ॥ पूजा रूपाय ॥ काका
 काया ॥ सुब्रह्मणादि ॥ दंडान
 मस्का नयाय ॥ धनना नयूजा ॥
 ॥ म्व ३५ डी पातयूजा ॥ नम्व ध
 यूजा ॥ पातयूजा ॥ नम्व ध
 नम्व ॥ नात्र डी लाया ॥ पं वाकूत
 क्कायक ॥ इन्वा ६ गय ॥ वाकं
 पूजा रूपाय ॥ सुब्रह्मणादि ॥
 यात आगम वाक ॥ सुब्रह्मणा
 रूपमुख ॥ नायक रूपनिंस्क
 स्थातं विय का वियं वियका ॥
 गीता ॥ अष्टमी मां वा ॥ सुब्र
 मलुनदन ॥ विसृजन या दंड
 सुब्रह्मणादि ॥ ना
 यक रूपिं तस्क स्थातं वियका
 धनका वरुनयूजा ॥ धूपा जा
 पा ॥ आ कर्षा ॥ पायोदि ॥ स्था नवाया ॥

*
 २०
 रूपाय

पूजा रूपाय ॥ सुब्रह्मणादि ॥ काका
 रूपाय ॥ सिद्ध तनके ॥ पं वा
 कूत क्कायक ॥ सुब्रह्मणादि ॥
 सक स्थातं विय नथिय ॥ ऊऊ मा
 नमुनमलुनदनक ॥ गीतः
 अनिन ॥ नदस्य काय ॥ समाधि
 दन ॥ धनके भयूजा ॥ गीतक
 भावन ॥ वा ननिपूजा ॥ गीतः
 नकडं ॥ पातयूजा ॥ गीतः
 कूददना ॥ धनमलुनयूजा ॥
 गीतजयं वा कूनि ॥ गीतजिदन
 सं ॥ किक नभयूजा ॥ गीतलन
 मलुन ॥ माया व कयनधा ॥ व
 सुनंद डी यात निवक ॥ सुब्र
 यरिं तिं सक स्थात निवक ॥ ध
 नयस क्कायक ॥ इन्वा ६ गय ॥
 सुब्रह्मणादि ॥ ना

मं२ गु० नूराह॥ नायकयुक्तिं
संघमवातसकलानं वियक॥
विपनधिया॥ आवमनयाय॥
भनडातनयूया॥ घं ववृद्धध
नृपंयूजायाया॥ थनदडाया
धूपजाघस्यानथानधनीनस
उप्यानाडागया॥ धूपववा॥ विः
वकना॥ अतिरिखना॥ वनिवि
यागीता॥ वनिवया॥ थपाह
गुनमलुनदनका॥ खानक
नना॥ विगुजनयावका॥ गुः
नूपजा॥ दं४ दद॥ थनप
जनयावका॥ धनमलुनाधि
नका॥ गुनूराहपुहितिंयूजा
यावका॥ थनघंयाकूगका
या॥ मलुनविगुजनयाया॥
सर्मधनिकमाणनयादंति

वका॥ किति कनकया॥ कन
अरिखकतयक॥ सिद्धम
लुनमाया॥ वोनामोतयक॥
वजनकातयक॥ सिद्धमाः
दनिआमंतयक॥ कमाकांथ
तिवका॥ गिद्धना॥ नकाउता
नीनमुता॥ पं४ मुता॥ आगम
तयाउकाया॥ थनखाया॥ पा
उदिनका॥ खावनिहका॥ गो
नहं३ द॥ दाद॥ आहनना॥ वकि
कंदना॥ थनसमयावका॥ थन
कमायना॥ कनगा॥ दहं३ सिद्ध
मलुनडा॥ ह्या॥ वनिधुया॥ थः
नराजन॥ वनिधिया॥ विपन
धिया॥ सभनमहिहाया॥ तखा
अया॥ गुनूराह॥ थकारि॥ न्व
का॥ नकिं॥ मधि॥ वजि॥ ना॥ साया॥

॥ गीता ॥ गजा जिना ॥ जयं २ वा ने
 वा ॥ अक्षय दवा वजि धा नि ॥ व
 वा हा न ॥ वनि छाय ॥ क रं छ
 य ॥ मख गुधिका य ॥ खान का
 काय क ॥ का व पा न छ य क
 न छाय ॥ थति हू व सा धं या
 य नि घा त ह सा ॥ ५ ५ ॥
 अथ अथ अथ अथ ॥ यं व ० धा न



अ. म. स. हू

मांसा हू नि या थ प न थ (था)

॥ वे ग म प य उ क ॥ मांसा हू नि ज ह
 या वि धि ग न न व का ऊ हू द
 ना मं ४ घा न पि र्णं मू नि पं जा
 हू द या ॥ कू म्भ र्णं क न ग र हू जा व
 १ जा थ या ॥ कू म्भ र्णं दं थ न ग र
 ल्म जा ना य या न थ या नि मू
 र्णं वो म धि हू या म्ब ५ १ दं थ न
 म्ब ५ २ ॥ ग जा ना य पि जा म ह
 म्ब १ ॥ म्ब ५ १ पं व य ना म
 दा व नि थ ना ॥ ३ २ वो म धि ॥
 वा क २ ४ थ यं कि ॥ घा ४ म गं ध
 नि ॥ ना य ना ॥ घा ना म ॥ धा ॥ गु गु
 सि द्धा व उ सा र्णं व म्ब ५ १ का
 दा क ॥ म्ब ५ १ ना य म्ब ५ १ जा ॥
 ऊ म का मा न का सा ॥ ३ १ यं वा
 म्ब ५ १ दा हू सां क वा ॥ ना य क
 ना र्णं व म्ब ५ १ ती थ न र वा क

अथ न

न नि

म त

॥ गीता ॥ गजा जिना ॥ जयं २ वा ने

मकारकृत्तयवविपन॥
मा१६विदिक्ताविदिनिवा
किङ्काकिस्विधिअश्वादिस्ति
पंवपस्तवापंवपकवांमा
धंवाधंरगवग्गनरुमः
सिरुसकिरुव्यानरग्व
सिरसिंनरपा३२कविअतर
ऊंका००गाअश्वा१धन
~~मकारकृत्तयवविपन~~
१००२स्यश्चनगन्वाकृत्त
नारथुमिगाननवकाआभय
नायायारस्यार्थारगुन्याय
यंवर्गवशाधनकायविया
यजार्तजायकाशनडाका
अकायदास्यगुनिंरथनः

गानयज्ञानधयज्ञानानन
अज्ञायार्थवाक्यकृत्तयक॥
कानायादास्यगयाविपनः
धियकारगीतअश्वाग्गवा
गुनमधुसन्नविभजनया
नाअसकस्यानखानवियकार
धनकावतत्रयज्ञानडा
नाअसिद्धननकारधनपं
वाक्यकृत्तयार्जुजमानगुन
मधुसदनकंनदस्यकाया
विभजनयावकारगीतजनी
नरदस्यदनगीतकत्तसा
वनारकत्रगपज्ञाधयज्ञाप
नितांजनगीतनकडांर
पज्ञायार्थवशात्रियज्ञाधन

माहनिहयागोमगमकूदः
 हनाप्यं वयागुयागुवनरु
 ऊहमावमनयाअपजायाः
 मुमुत्रिपना ॥ धनः
 अग्निष्ठापना यथमाह
 निरहानाहतिधूनकाठा
 त्रिवाइयागीगमिनिशयः
 नाथनदअपजाधपजाः
 यद्गीगधयववात्रिवक
 नाअगिरिखनार्थनजामी
 निग्धनार्धयजायाआकष
 नयादंस्वानवायानकाया
 त्रिविर्यपंवधनाविगजन
 यादंनडाहयागीतकावः
 पिआवायसंनमांसमाह

१० धजाताहमिउनापातदअयाविचक्र।

निवियास्वन्नगवमांसाह
 नियायार्थवधनामवाहमु
 मययानरसनायामसरतिर
 तयकावाभावतनउयकाः
 अथयसंतयाधनयंवयाः
 उविगजनयादंनडाहया
 आवायनरवायमययानः
 विंदुवियागीतजयंजयं
 यंवयागुमवाहमुमययान
 सनायामसरतिरतयाअमा
 हनिवियावाभावतनउयः
 काठावनशुभंतयाधनकि
 वियागुमधुसदनकारं
 खव त्रिविगजनयाव
 कारि त्रंजनरमरहाना

१० धजाताहमिउनापातदअयाविचक्र।

या नमिकाउसकस्यां निया
थनदिगवनिमस्यवनि
दिगुवनिवियागीगवनि
ववाइऊमानगुनमधुन
दनकंखानकिताविभः
ऊनयावकारगुनयजाद
दुदकधुनननियाधंऊः
निपिह्यंविद्याथनयऊनः
यावकार्यंवाकूभक्यक
विपनथियामधुनविभः
ऊनयायामधुनखानदव
यातक्यकनक्ययामगं
धनिदमायनंयादंडंआया
ननयाउसकस्यां निया

कनभारिखकार्यं वसुग
कादंडायातनयाउगुनः
राशुपरिनिनायकशुप
नितमधुनखानयं वसुग
कावियामंघभकस्यातः
वियाथनखायायाउदि
नकारगीतदंडं दंडं दंडं
दाउआतननगीगवकि
कूउनरनिह्नायाममया
वकारनावायाउरख
ह्नाियायारुमायनयादंड
कनभारुह्नासिह्नामदुन
उह्नायारुनायमदाका
नदिगुवनिरोधभआक

नञ्छायाम्हावनि वादान
 मन्त्रार्यां कयक नञ्छाय
 धनराजनवागय। इत्ययं
 यामवा ६ क्ता वपायउवा
 धकिंवा १ मं ३ गु नराश्रमं
 १० जायकश्रयनि। मं १ न
 किंयन्त्रिष्टागमसर्गो गुन
 लाश्रु ३ थाकात्रिना कलकि
 मधिवडि मखासायागमं
 धनिआयकागय के। लावन
 अह्लावकारगीरागजाडि
 नर ~~मन्त्र~~ वात्रिवाश्रुः
 यत्रावडिधात्रि ~~मन्त्र~~
 खायन्त्रायात्रावनिश्चय

७२ वनिष्ठापना वनिष्ठापना वनिष्ठापना

धनानिर्गमयकारनावाय
 कनञ्छायाम्हावनिश्चय
 वाक्कायायास्वानकाकाय
 कारकमाकंथवियकारका
 यपात्रवाक्कायकञ्छायव
 राकयाश्रुतिहांतायश्रुता
 धनिमांसाश्रुतियाकर्मप
 नियाश्रुता ॥ वेगमपश्रुत ८४
 ॥ ॥ वेगमपश्रुत ८५ काः
 यपात्रवस्त्रार्थयात्रायाय
 कनशागमं। लागवत्रागाद्र
 स्कं। सिद्धमूढ। महावनि। अ
 ग्नि कूट। मूख। मन्त्र। याथः
 मूढ। वेद्य ॥ ऊरुमूढ। आप
 वा क १३ थाप किजाकि ॥

अथ ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं
विधितान्त्रावकं रुद्राजान्
नमानकांतिथं नंवासाइइ
यं वास्तुतांतामस्तुताममय॥
कनकहस्तायां स्वर्न १००२
स्वस्तायां स्वर्न १२३४ ध्यातुं
१ मिनादुतायां वनिमधिस
सामदावनि दिगुवनिथन
यं वपतां अडुतां दताया न
नं गं थवातां न गदमानरु
न॥ १२३४ मधि ध्यातुं
त्रावकातां थपाशनां १३४
द्ययावकं रुद्रायाद्यायं
वगवसाधनकोयविय॥

थपाशनां कनिमस्य
यजातुतापकं नडां ह्लाका
कायां रुद्रमस्तुतयनां
कयावनिवियविभजन
यायां मस्तुतुतां नवियज
मानयातां थनेकावतनय
जासिद्रुनननकं रुद्रमान
रुद्रमंदनदनकं नदस्यका
यां समाधिदन॥ कनकयजा॥
थनरुद्रुया॥ प्रथमाह्निरु
नाह्निधूनकातां दतायजा
यावकं दतागाह्नितां गंता
नगंतिनदतायजायाथ
ननायकहपनिदिमस्योऽ

नमो भगवते विद्या नारायणक
पद्मिनीमण्डलविषयजनयाचक
धनरत्नखानिविद्याकनभन
अज्ञायाः कृष्णसिद्धमूढन
अज्ञायाः नारायणमिया न
विष्णोयं वस्तु कानियमिप
निगिनयाविकश्यासुप्रद
विद्यावापिश्याया ॥

धनननथाहाडा नारायक
हृषिकेश विष्णोवियम ॥ ५५
किविपनधिया धनयानन
वाः कावपात्रदडा ॥ १४
विदेडा ॥ ७७ नदिगमहर्क
मं ४ सुवृणह ॥ १० नान

जा

छाया

रुयकनञ्जया॥ गलभमः
दानअष्टमागिका॥ भकं
निराग्वरुभापिंयज्ञायाया॥
थननायकशुपनिगनमः
लुनदनकोवासापमम
कृमनदस्यमलुनदनकं
थनाडाखाननयका॥ उथ
यसंगयाडा॥ शकयात्रवः
निवियकाविभजनयाव
काथनदंडीयज्ञायुयः
जाय६ नायकशुपनिके
यज्ञारुयके॥ भगंधनिवि
भजनयादंगयाञ्जया॥ स
ध॥ म॥ यथादि॥ थनगुः

नृपज्ञानायकशुपज्ञापान
नाकयनिगुनमलुनदनकं
खानकिगभाविभजनया
वकीर्द८४ददक्षकायाथ
नर्थवाकूगकायाथनमलु
नविभजनयायादंडीयात
खाननयकनञ्जयाथउ
तकयाडा॥ मलुनपातानः
डाज्ञानाडानायकशुपनिः
तवियकाथनआमिवाद
खानकायकाथनहानेवा
नयका॥ कोनातयाविघन
थियागुलाह॥ थकात्रि॥
नवका॥ मधि॥ वडि॥ तखा॥
सायका॥ दंडीयमूर्खमधि

सकस्यामंभयकमानाद
 अपमर्खं गुलह। नायक
 ह। एनिष्ठुभ्रतरवाभाया॥
 धनमानकायागीतग
 जाकिन। रुयं॥ धनमनः
 पूजा॥ पूजाएनधियकरभिद्र
 भूयवयाखनूगतयक। गीत
 अनिखिखना। विपूजायावका
 भिद्रभाद्रनिआमंगयाअनिय
 धनपाउदियक॥ गीत. हूँ उद।
 खाद्यसिद्धाक॥ गीत. वात्रिंवा
 गीत. सपुतिमछिगरानघा
 भा. याननागयक॥ द्वाहोस्वां
 दायक। द्वाहोस्वां विअनपिन
 यक। गीत. वजिनिधात्रियवा।

धनवनिष्ठया॥ नखिंनया
 कर्गंछया। न्वभिनाकाअ॥
 घाननाकपथं भं गनम७३ः
 लभनयाअगुनूम७३तदन
 क॥ गीत. दंविन। विष्ठजन
 यावका। धनतोदिक। मूरव
 सुधि। खानका। कायका। का
 वयानदअयागुविं वियक।
 कावयावाद्ययकनछयावे
 नाकयाअछनिदांअनाथनि
 कावयानवभधंयाविधिवि
 भानरुला॥ ॥

~~हयमयुध~~ लय२ होमस
 गुलहयातः थपनकि। कृत १
 दछिणकीः कृत १ जाकि
 नपाकूलवियमाल॥

मल्लुनदनकं धनाडाखा
नदडीयात वाकुनयजा
उराहनायकशपनितखा
नतयकं साकयाववशि
वियकं विभजनयावकं
धनधंयाकं गुमुमकइ
तविया॥ नायकशपनिक
पजारुयकं जापखानत
यधुषमंभादनिविभज
नयादंयजारनमतया
शय॥ वाक्॥ गीतश्रुतिः
रिना॥ वनिवियापजनया
वकं॥ ऊजमानगुनमल्लुन
दनकं खानकिगन॥ विभज
नयावकं॥ दं२ दक्षकाय

क१ थापंकि॥

कावयात्रह्नायकनभ
यार्पवाकूभयकं खात्रा
नडाह्नाकंयिपनधियाथ
नमल्लुनविभजनयादंखा
नदडीयाततयकनभय
डा॥ थडातकायाडा॥ मल्लुन
यागात्रडाह्नादं नायकश
पनिसकस्यातं वियकं आ
शिवादखांकायकं ॥
धनखाजकायकं पायन
डाह्नानाविया॥ गीतहं हं दं
गीतवकिंकुं लुनखाजनि
काय॥ समयावका॥ नीवाय॥
राजवातयकं॥ वीनातय॥
शिपनधिया॥ दडीयातप

यमिया उराश अका निचक
 मधि वजि नखासायक ॥ कोरा
 यायइका ॥ थूतिदि सादन प
 जाया विवि विधान रुला ॥
 ॥ ॐ ॥ अ वध गुक न पि
 दयाय पूजाया विधि रूप
 जाहा नाय धाता भ धू जर्ज
 कार म्म वाक्ष नारय ॥ अपि
 थूतिता न नाव काडा पूजार
 धिय कं गु न्म म्म न्म न्म न्म
 कपा नव विर थपि म न पूजा
 याय र म्म ॥ १ ॥ म्म पा ता का
 नाय क रु म्म निम्ब निम्ब ना
 काडा पूजाया या धू प सिद्ध
 जर्ज का खान भ धी म्म

धम्मो खादि ५ ॥ थन दिमिद
 आयजा या क रु याडा खान
 कि न्म म्म म्म म्म विम ज न
 या दं ग वडा नाडा गुला रु
 य म्म खं विखां काय नाय क
 रुप निरं गुला रु विखा वि
 या ॥ गुला रु म्म १ वा २ दि गुस
 समय ॥ वा १ ध किं वा वा २ गु
 हा रु या न वजि वा वजि ना
 हाय मा न वा १ गुला रु वा १०
 नाय क रु वा २ गुडा वा १
 दडा पा ना वा १ थ पा न किं ॥
 म्म म्म म्म म्म थूति जाय जाया ॥
 ॥ ॥ ह नि क रु ॥ क न म्म प
 जाया य का व पा न दडा या इ

गो ग न क ऊँ पाठ पूजा
गो ग न क द द न ध नः
द उ पा पूजा ध य का य ध
गीत ध य च वा गो ग न मि
रि ख ना ॥ व नि वि य गो
ग व नि च वा ॥ दि यु व नि
वि य र ऊ ज मा न गु म लुः
स द न का स्ना न कि न न
वि भ ऊ न या च क गु न पू
जा द २ द द न ध न ध
न म लु स धि न क पू ज नः
या च क पं वा कू ग क्का य कं
वि प न धि य ध न दू मा प
न म लु स वि भ ऊ न ग न
न य क सि द्ध मा द नि क्का य

कं क मा कं थ नि य म लु
स स्ना न वि य ध न खा य
पाठ क्का य क गो ग न दं दं
च क्रि कू लु स ॥ खा ज नि क्का
य ॥ स म या च क ॥ दू मा प
न या दं म लु स या ना न उ
क्का य ध न रोज न व नि
थ म न रोग म्र च ॥ गो ग
ग जा जि ना ऊ र्य २ वा निः
च क्का द न व जि धा नि ॥
वो क्का या ग र्भि क नं क्का य
मू र व लु डि स्ना न का का
य कं क मा क थ वि य कं
थ नि नु का द मि द न प
जा या वि धि वि धा न र न ॥

॥ १ ॥ अवल कृष्ण १ गुणशर्मा
मं १ कृ १ थापं कि १ दं ४ द
कृष्ण सायमान वा १ इस्
मया वजि तखा भयमान ॥
॥ २ ॥ अवल कृष्ण २ गुणशर्मा
कृ १ थापं कि १ दं १ द कृष्ण
सायमान वा १ भर्त
वा १ वा १ इस्मया वजि त
खा भय वजि राज जायान कि ॥
॥ ३ ॥ अवल कृष्ण ४ गुणशर्मा
कृ १ थापं कि १ दं २ द कृष्ण
वा १ सनं वा १ वा १ इस्मया
वजि तखा भयमान दिग्
॥ ४ ॥ अवल कृष्ण ५ गुणशर्मा
कृ १ थापं कि १ दं ३ द कृष्ण
को न यानः

तत्र यानं १ दं ४ द कृष्ण ॥
सायमान वा १ सनं
वा १ वा १ इस्मया वजि त
खा भयमान कत्रय जा
याना थ ग्यय मं ३ गुण
हर्षि दिग्वा काना या
नकी १ वजि राज नरना ॥
॥ ५ ॥ अवल कृष्ण ६ गुणशर्मा
कृ १ थापं कि १ दं ५ द कृष्ण
तखा भय १ धी न यान व
जि भयमान वा १ वजि राज ॥
॥ ६ ॥ अवल कृष्ण ७ गुणशर्मा
कृ १ थापं कि १ दं १ द कृष्ण
भयमान वा १ वजि राज ॥

ॐ १ कार्तिकेय उवा १ ज गृहाः
शर्मा १ कू १ अपंकिर्द १
दक्षणा १ वा १ इ स म या व
जि न र वा भा या ॥ दि गृहा ॥

ॐ १ कार्तिक शुद्ध आषाढा दश
 न पूजाया ॥ गुरुगुरु मंत्र
 कृष्णाय नमः ॥ दश दश
 वक्ति नखाभयमात्रशला ॥
 एतन्मन्त्रादात्र मन्त्रानः
 नियमय ॥ यमाक्षयमात्र
 धृति आषाढा दश पूजाया ॥

६६ कारिकककुपुङ्गुगजयाः

विनिदगयजा॥ मं१ गुनरु

शरकू२ थापकिरदं२ दद

नारसंभनग. वडि. गखाः

भयमान॥ वी१ इभमया

भयमान॥ सिंधू नयजा॥

६६ मार्गगिनपुक्क१ गुनरु

मं१ कू१ थापकि. दं१ दद

ना. सायगियमान. वी१ इ

भमया. वकदमिमाथापजाउथं॥

६६ मार्गगिनपुक्क३ गुन

राकू मं१ दं१ दद

निर्गन्वावियमाना. का

नायायइ. दिडां नगः

वियमान. वडुदमिः

किना.

६६ मार्गगिनपुक्क६ अष्टः

मिषजाया थापनयाय

दवयाहुडा. मंदन.

कनगा. मं१. ग्वेगनास.

द्रस्का. सिद्धमू६. नडाः

धदवयाकू मं१. दडाया

३॥ मग. वनि. ज्ञानका

सम्ब२ थापिखाया. खग

याका. सम्ब१ थापिं मनप

जाया. गु. खाय. सिद्ध३ः

यातडा. ना. ग्व१ मन्नापाउः

वनरुसदं. वि. जा. कितय

ग्वडा. पाउतय॥ थनि. थाप

धनका. डा. पजा. रु. कयका

नडा. ज्ञा. काया. म्भ. रायजा.

ना. नयजा. दव. पा. पजा.

नडा. ध. पजा.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ताननडाकायापंवाकृत
काया॥ गीतमृदुशृंगं व
मृदुमधुसुतदना॥ नाकपा
नवनिविधुजनकावः
हनपडा॥ पंवाकृतकाया
डाविघधिया॥ ऊजमानमृ
नममृदुनदनकंनदस्यका
या॥ गीतमृनिन॥ समाधि
दन॥ धनकृतशयजा॥
जायधया॥ निनांजनगी
त॥ धनधर्पिपडाहि
भादनिरुहाया॥ पाठयजा॥
गीतमाकृददना॥ धन
मधुनयजा॥ गीतजयं
वाकृति॥ धनमुजया
या॥ वमुमातिया॥

धनपडाकायक॥ वी६
दडावा॥ वी७ आमी॥ वी
१मरु॥ वी२ मृदुलश॥
ऊततयाडा॥ पंवेधय
नयंयजायाया॥ धनडा
य६धया॥ दडापडा॥ गी
तधयवेवाधिवकुसु
मतिरिखना॥ निनहका
धनदिमुवीविया॥ ऊजमा
नमृदुमधुनकंखानकि
तना॥ मृदुपडा॥ पडा
यावका॥ ऊजनवी६आ
मंदडायाता॥ मृ२मृदुल
श॥ मृ३मानका॥ पात्र
नाकमृमधिवजिनघा
मृदुलश॥ धंकारिन्व

कू न किं साय गिय मान।
नाता साउ। दु निदां ड। य॥
१ सति कुडू॥ गान दंडा पा
उ३ था पि। थ निथ यना
या ड॥। ऊऊ मान नय पूजा
हं धुजा घका सा रापजा।
गान यजा या या दंडा पा
यजा न ध यजा पा उद
ड। या न तय का ख सिवा
व या या थ न तान ड। ऊ
या पं वा कू त ह्य या विप
न धिन का गी त म ह्य
म वा मु न म धु न द न रा
क या न त नि वि यो म धा
म ऊ ध मा या दि ५। म धु
न वि धु न या ६। म क स्या

तं ह्या न वि य के। का य ह
न य जा। पं वा कू त ह्य या
वि प न धि यो न द स्य मः
धु न द न क। स मा धि द न र
गी त म नी न। क न म सु
मं दू स्कं सि दू म दू म्
म न म म न य जा गी
त क न म व न ए थ न
वा न नि य जा। गी त न क
ड॥। पा उ य जा। गी त
२ म क द द न ए थ न द
ड। य जा ध पा नी न धु
उ का य ना ड। जा य या य ६
थ न दि मु द सि वि यो गी
ता व नि व वा। ऊऊ मा
न मु न म धु न द न क।

खानकिगन॥ गुनपः
 जा॥ दं ४ दक्षकाया
 नायकक्षपनिदअपः
 जायाकायजनयाक॥
 चंवाकक्षयकाविपन
 चिया॥ आवमनयाहं॥
 मधुनविधुनयायाद
 अयागखाननयकास
 मनंतायक॥ किमिकने
 मक्षयका मधुनंतायका
 अमनकयकावजनका
 नयाकनमहिखविद्या
 सिद्धमादनिआगमनया
 अगुनप्रतिनिंमकनं
 वका मधुनखां गुणका

वियाखाया पाउ गुनपः
 हिनिंमकस्यो रं विया
 निज्ञायाथनंमनपका
 याया॥ विपजायोयारका
 अपाउदिनका निज्ञाय
 काथनममयायव॥ हा
 जनाथाव ४ मायसियमा
 नापावचाभापावना
 गीतागजाजिनअयं
 मक्षदनाया निवावदि
 धानिवाविष्णयानया
 याकनंक्षया नवाया॥
 नासिनाकाया मखपुधि
 खानकायाथ अक्षिप
 जायायनिघा न रुनाए

संवत् ३६६ वैशाख ३
सूर्यदेवज २९ धूमिगुप
कास॥

३२१

तउरु

विकिनिश

सम्वत् १००१ मिति: वैशाख
कृष्णया॥ षष्ठमि: वृहस्पति
वातधकृद्: शीतकिमिन
दसर्गमाह न शुल॥

धृग्वषणस: शीरुत्रेडम
हात्राज: वैशाख कृष्णवोडधि
संगलवातधकृद्: स्वर्गमाह
नशुयाड: कृत्तयकृत्तक
सकलयाग: कृत्तावातसक
गावाहालरुस्यलि: धृग्व

संवत् ७८९ वृषाहासया

शीतलमनी॥

षष्ठमिषूद्: शीतलीन-उ
सर्गमाह नदिन ६

वषणस: पंचमिहागयायग
यायमठिया: देवयाधस
हाममयास्य: पूजायाना
हजाकृयाड: गत्रनंपूजा
यानाड: कृयाड: ॥ अह
वाहिकसूय॥